राष्ट्रीय युवा दिवस 2026: विकसित भारत @2047 के लिए भारत के युवाओं का सशक्तिकरण

UPSC प्रासंगिकता

- **जीएस पेपर I:** जनसांख्यिकी, युवा, सामाजिक सशक्तिकरण
- **जीएस पेपर II:** शासन, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना
- **जीएस पेपर III:** रोजगार, कौशल विकास, उद्यमिता
- **निबंध:** परिवर्तन के प्रतिनिधि के रूप में युवा; जनसांख्यिकीय लाभांश

चर्चा में क्यों भारत ने 'माय भारत' (MY Bharat) जैसे युवा-केंद्रित प्लेटफार्मों, विस्तारित कौशल पहलों, रोजगार योजनाओं, उद्यमिता सहायता और विकसित भारत @2047 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित समग्र स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करते हुए स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 (12 जनवरी) मनाया।

पृष्ठभूमि: भारत की रणनीतिक संपत्ति के रूप में युवा 35 वर्ष से कम आयु की 65% से अधिक जनसंख्या के साथ, भारत एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय मोड़ पर खड़ा है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश या तो त्वरित आर्थिक विकास, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन में बदल सकता है—या यदि इसे उत्पादक रूप से उपयोग नहीं किया गया, तो यह बेरोजगारी, सामाजिक अशांति और व्यर्थ क्षमता में बदल सकता है। स्वामी विवेकानंद का चरित्र, साहस और सेवा पर जोर, समकालीन युवा नीति के लिए दार्शनिक आधार प्रदान करता है, जो तेजी से युवा नागरिकों को केवल कल्याण के लाभार्थियों के रूप में नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारों के रूप में देखता है।

युवा जुड़ाव और लोकतांत्रिक भागीदारी

- **नागरिक भागीदारी के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म:** 'मेरा युवा भारत' (MY Bharat) जैसी पहल 'योजना-आधारित शासन' से 'प्लेटफॉर्म-आधारित शासन' की ओर एक आदर्श बदलाव (Paradigm Shift) को दर्शाती है। स्वयंसेवा, अनुभवात्मक शिक्षा, नेतृत्व के अवसर और कौशल विकास को एक एकल डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र पर एकीकृत करके, 'माय भारत' प्रौद्योगिकी के माध्यम से 'जन भागीदारी' को संस्थागत बनाता है।

- 'माय भारत मोबाइल ऐप' का शुभारंभ और नियोजित 'माय भारत 2.0'—जिसमें एआई चैटबॉट्स, स्मार्ट सीवी निर्माता, मेंटरशिप हब और करियर सेवाएं शामिल हैं—यह दर्शाता है कि युवा सशक्तिकरण के लिए डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे का लाभ कैसे उठाया जा सकता है।
- **सेवा-उन्मुख नागरिकता:** राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) सामुदायिक सेवा के माध्यम से सामाजिक चेतना, राष्ट्रीय एकता और व्यक्तित्व विकास को बढ़ावा देना जारी रखती है। इस बीच, 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग' युवाओं के जुड़ाव को सांस्कृतिक भागीदारी से नीतिगत विचार और समाधान निर्माण में बदल देता है, जिससे शासन में विचारशील लोकतंत्र स्थापित होता है।

IAS-PCS Institute

शिक्षा-रोजगार निरंतरता: कौशल अंतर को पाटना

- **कौशल संरचना (Skilling Architecture):** भारत का कौशल पारिस्थितिकी तंत्र—जो कौशल भारत मिशन पर आधारित है—बड़े पैमाने पर प्रमाणीकरण से परिणाम-उन्मुख, उद्योग-जुड़े प्रशिक्षण की ओर विकसित हुआ है। PMKVY 4.0 के तहत सुधार 'ऑन-द-जॉब' प्रशिक्षण, एआई, ड्रोन और आईओटी जैसे भविष्य के कौशल और महिलाओं तथा हाशिए पर रहने वाले समूहों के समावेशन को प्राथमिकता देते हैं।

- **संस्थागत सुधार:** 'पीएम-सेतु' (PM-SETU) का शुभारंभ एक हब-एंड-स्पोक मॉडल और सरकार के स्वामित्व वाले, उद्योग-प्रबंधित ढांचे के माध्यम से आईटीआई (ITI) पारिस्थितिकी तंत्र के संरचनात्मक ओवरहाल को चिह्नित करता है, जो व्यावसायिक शिक्षा को श्रम बाजार की मांग और वैश्विक मानकों के साथ जोड़ता है।
- जन शिक्षण संस्थान (JSS), NAPS, DDU-GKY और RSETIs जैसी पूरक योजनाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि ग्रामीण युवा, स्कूल छोड़ने वाले और अनौपचारिक श्रमिक भारत की विकास गाथा से बाहर न रहें।

@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

युवा, रोजगार और राष्ट्रीय सुरक्षा अग्निपथ योजना युवा रोजगार को रक्षा सुधारों के साथ एकीकृत करने का एक अभिनव—हालांकि विवादित—प्रयास है। अनुशासन, तकनीकी कौशल और नेतृत्व प्रशिक्षण प्रदान करके, यह एक युवा सैन्य प्रोफाइल के साथ-साथ एक कुशल नागरिक कार्यबल बनाने का प्रयास करती है। हालांकि, लंबे समय तक समावेशन और सामाजिक सुरक्षा की चिंताएं नीतिगत सुधार के क्षेत्र बने हुए हैं।

उद्यमिता और आर्थिक सशक्तिकरण भारत की युवा रणनीति तेजी से यह स्वीकार कर रही है कि रोजगार सृजन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि रोजगार की तैयारी।

- 'स्टार्टअप इंडिया' और 'सीड फंड स्कीम' शुरुआती चरण की पूंजी बाधाओं को दूर करती है, जिससे महानगरीय केंद्रों से परे युवा नेतृत्व वाले नवाचार को सक्षम बनाया जा सके।
- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना बिना गारंटी के ऋण प्रदान करके उद्यमिता का लोकतंत्रीकरण करती है, विशेष रूप से महिलाओं और पहली पीढ़ी के उद्यमियों को सशक्त बनाती है।
- प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना नियोक्ताओं और कर्मचारियों दोनों को अभिनव रूप से प्रोत्साहित करती है, जो रोजगार सृजन के प्रति मांग-पक्ष के दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- साथ मिलकर, इन पहलों का उद्देश्य युवाओं की आकांक्षाओं को स्थायी आजीविका में बदलना है।

स्वास्थ्य, फिटनेस और समग्र कल्याण

- **निवारक और व्यवहारिक स्वास्थ्य:** फिट इंडिया मूवमेंट शारीरिक गतिविधि को दैनिक जीवन में एकीकृत करता है, स्वास्थ्य परिणामों को दीर्घकालिक उत्पादकता और आर्थिक विकास से जोड़ता है।

- **मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों का सेवन:** 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' और 'काशी घोषणा' नशीली दवाओं की लत से निपटने के लिए एक समुदाय-नेतृत्व वाला, युवा-संचालित दृष्टिकोण पेश करते हैं, जो आध्यात्मिक संस्थानों, नागरिक समाज और शासन का मिश्रण है—यह सार्वजनिक स्वास्थ्य में 'सॉफ्ट गवर्नेंस' का एक उदाहरण है।
- **किशोर स्वास्थ्य:** राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (RKSK) किशोरों के बीच पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, मादक द्रव्यों के दुरुपयोग और गैर-संचारी रोगों (NCDs) को संबोधित करके एक जीवन-चक्र दृष्टिकोण अपनाता है, जिससे भारत के भविष्य के कार्यबल की नींव मजबूत होती है।

प्रमुख चुनौतियाँ और कमियाँ

- बड़ी प्रशिक्षण संख्या के बावजूद कौशल-नौकरी का बेमेल होना (Mismatch)।
- कौशल परिणामों में गुणवत्ता और मानकीकरण के मुद्दे।

- ग्रामीण और हाशिए पर रहने वाले युवाओं को प्रभावित करने वाला डिजिटल विभाजन।
- अल्पकालिक रोजगार मॉडलों की स्थिरता।
- मानसिक स्वास्थ्य का कलंक और स्वास्थ्य कार्यक्रमों का असमान कार्यान्वयन।

आगे की राह

- कौशल और रोजगार परिणामों में मात्रा (Scale) से गुणवत्ता (Quality) की ओर बदलाव।
- उद्योग-शिक्षा संबंधों और स्थानीय श्रम बाजार मैपिंग को मजबूत करना।
- युवा प्लेटफार्मों को जिला-स्तरीय योजना के साथ एकीकृत करना।
- शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को संस्थागत बनाना।
- स्वामी विवेकानंद के सेवा और चरित्र के आदर्शों को प्रतिध्वनित करते हुए मूल्य-आधारित नेतृत्व को बढ़ावा देना।

निष्कर्ष राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 एक महत्वपूर्ण सच्चाई को पुष्ट करता है: विकसित भारत @2047 तक भारत की यात्रा इसके युवाओं द्वारा लिखी जाएगी। भागीदारी मंचों, कौशल-जुड़ी शिक्षा, उद्यमिता समर्थन और समग्र स्वास्थ्य पहलों के माध्यम से, सरकार युवा-नेतृत्व वाले विकास के लिए ढांचा तैयार कर रही है। फिर भी, इस दृष्टिकोण की अंतिम सफलता यह सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है कि सशक्तिकरण समावेशी, टिकाऊ और मूल्यों में निहित हो। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कल्पना की थी, राष्ट्र निर्माण केवल नीतियों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वासी, सक्षम और जागरूक नागरिकों से शुरू होता है—एक ऐसी जिम्मेदारी जिसे उठाने के लिए भारत के युवा तेजी से तैयार हो रहे हैं।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा - अभ्यास प्रश्न (सामान्य अध्ययन पेपर I / II / III)

प्रश्न: "भारत का युवा-केंद्रित शासन मॉडल कल्याण-उन्मुख नीतियों से हटकर सहभागी राष्ट्र-निर्माण की ओर बदलाव को दर्शाता है।" राष्ट्रीय युवा दिवस 2026 के संदर्भ में, आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि युवा जुड़ाव, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और स्वास्थ्य में हाल की सरकारी पहलें विकसित भारत @2047 की प्राप्ति के लिए भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग कैसे करना चाहती हैं। साथ ही, युवा क्षमता को स्थायी राष्ट्रीय विकास में बदलने की प्रमुख चुनौतियों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दें)